पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

शिक्षा बच्चों का अधिकार है - राज्यपाल

लखनऊ: 22 सितम्बर, 2014

राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल, श्री राम नाईक के समक्ष प्राथमिक परिषदीय विद्यालय के कक्षा 4 एवं 5 के अंकुर, विवेक, शीलू, हसनैन, स्वाति, निशा जैसे अनेक बच्चों ने अपनी परेशानी बताई कि 'सर बैठने के लिये कोई व्यवस्था नहीं है', 'स्कूल में बिजली नही हैं', 'हैण्डपम्प हो तो पीने का पानी मिल जाये', 'विद्यालय में शौचालय नहीं है, बाहर जाना पड़ता है', 'शौचालय तो है मगर जल युक्त न होने के कारण बन्द रहता है', 'चटाई पर बैठते है तो यूनिफार्म गन्दी हो जाती है', 'शिक्षक कम हैं', 'शिक्षक बराबर नहीं आते है'ं, 'एक ही कक्ष में कई कक्षाएं चलती हैं'। इतने सब सवालों के बीच बच्चों का दर्द सुनकर राज्यपाल भी द्रवित हो गये।

राज्यपाल आज एक स्वयं सेवी संस्था 'विज्ञान फाउण्डेशन' के कार्यक्रम में बच्चों से रूबरू थे। यह संस्था मलिन बस्ती के बच्चों की शिक्षा एवं रख-रखाव का कार्य करती है। उन्होंने बच्चों को सम्बोधित करते हुए पूछा कि क्या वे जानते हैं कि देश का प्रधानमंत्री कौन है, प्रदेश का मुख्यमंत्री कौन है और यह भी बताया कि वे राज्यपाल हैं तो उनका कार्यक्षेत्र क्या है। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है। बच्चों को आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में सुधार के लिये प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री से बात भी करेंगे।

श्री नाईक ने आयोजकों से कहा कि वे संबंधित क्षेत्र के सांसद और विधायक से भी बात करें। सांसद निधि व विधायक निधि जनहित के कार्य के लिये मंजूर की जाती है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी अपने स्तर से कारवाई करेंगे।

राज्यपाल ने बच्चों को शिक्षा के लिये प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा ग्रहण करें ताकि भविष्य के अच्छे नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि विद्या प्राप्त करना ही उनका छात्र-धर्म है। उन्होंने कहा कि समय का सदुपयोग शिक्षा ग्रहण करने में करें और भावी नागरिक के रूप में देश एवं प्रदेश का नाम उज्जवल करें।

कार्यक्रम में विज्ञान फाउण्डेशन के पदाधिकारियों के अलावा अन्य सहयोगी संस्थायें भी उपस्थित थीं।

अंजुम/रा0/राजभवन